IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

सोशल मीडिया: प्रभान्वित मानव जीवन

नीलिमा [1]

'शोद्यार्थी, महाराजा अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल विश्वविद्यालय

डॉ . बृजलता शर्मा [2]

'प्रोफेसर, महाराजा अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल विश्वविद्यालय ,

सार-

सोशल मीडिया वेब-आधारित प्लेटफॉर्म और एप्लिकेशन को संदर्भित करता है जो उपयोगकर्ताओं को वर्चुअल समुदाय या नेटवर्क में सामग्री बनाने, साझा करने और विनिमय करने के नये अवसरों को उपलब्ध कराता है। ये प्लेटफ़ॉर्म उपयोगकर्ताओं के बीच संचार और सामाजिक संपर्क की सुविधा प्रदान करते हैं, जिससे उन्हें पाठ, चित्र, ऑडियो और वीडियो जैसे विभिन्न स्वरूपों में जानकारी, विचार और अनुभव साझा करने की अनुमति भी मिलती है। सोशल मीडिया वर्तमान समय में संचार का एक अनिवार्य अंग बन गया है और इसने लोगों के बातचीत करने और सूचनाओं का उपभोग करने के तरीके को भी पूर्णतया बदल दिया है।

कुछ लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे- फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, लिंक्डइन और टिकटॉक शामिल हैं। सोशल मीडिया का समाज में मानव जीवन पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह का प्रभाव डालता नजर आ रहा है। जिसमें मुख्य रूप से सामाजिक संपर्क बढ़ाना, व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देना और सूचना का प्रसार करना आदि शामिल है; लेकिन गोपनीयता, साइबरबुलिंग और सोशल इन्टरनेट एप्पस की लत के बारे में चिंताएं उठाना भी जरूरी है।भारत में सोशल मीडिया को व्यापक रूप से अपनाने से पहले, देश के पास एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत हुआ करती थी, जो परंपराओं और मूल्यों की गहराई से जुड़ी होती थी जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी समाज में चली आ रही थी। भारतीय संस्कृति पर सोशल मीडिया का प्रभाव सकारात्मक और नकारात्मक दोनों परिणामों के साथ महत्त्वपूर्ण रहा है।

सकारात्मक पक्ष पर, सोशल मीडिया ने भारतीयों को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने और इसे वैश्विक दर्शकों के साथ साझा करने की अनुमति दी है। इसने उपेक्षित समुदायों को आवाज दी है, विविध दृष्टिकोणों की अभिव्यक्ति की अनुमति के साथ ही छोटे व्यवसायिक इकाईयों और उद्यमिता के विकास की सुविधाओं के नये अवसर प्रदान किए है।

नकारात्मक पक्ष पर, गलत सूचनाओं का प्रसार, पारंपरिक मूल्यों का क्षरण और पश्चिमी प्रभाव के कारण संस्कृति का समरूपीकरण। इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया ने विशेष रूप से युवा लोगों में व्यसन और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के नए रूपों को भी जन्म दिया है। इस प्रकार, भारतीय मानवीय संवेदनायुक्त जीवन पर सोशल मीडिया के प्रभाव को समझने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण आधार अपनाकर विचार किया जाना चाहिए। सकारात्मक और नकारात्मक दोनों परिणामों को ध्यान में रखते हुए सकारात्मक पहलुओं को मनाने और संरक्षित करने के लिए नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए सर्वोत्तम योजनाओं को लागू करना चाहिए ।

मूल शब्द-(वेब, वर्चुअल, अभिव्यक्ति, उद्यमिता,दूरस्थ संचार संयोजन, सत्यापन,साइबरबुलिंग, संवर्धित, असहिष्णुता, डिजिटल)

मानव जीवन पर सोशल मीडिया के मिश्रित प्रभाव-

दूरस्थ संचार संयोजन में वृद्धि: सोशल मीडिया ने भारतीयों को देश और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से दूरी और भाषा की बाधाओं को तोड़ते हुए लोगों के साथ जुड़ने और संवाद करने में सक्षम बनाया है।

भाषा और संस्कृति पर प्रभाव: सोशल मीडिया ने भारतीयों द्वारा अपनी भाषा और संस्कृति प्रयोग को नेटवर्क माध्यम पर चुनौतीपूर्ण होते हुए भी समझने-बूझने के तरीके को प्रभावित किया है। कई भारतीय अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी सांस्कृतिक परंपराओं, ज्ञानवर्धक जानकारी और प्रथाओं की खोज करने व समाज में साझा करने के लिए अधिक अनुकूल महसूस करने लगे हैं।

राजनीतिक प्रभाव: सोशल मीडिया भारत में राजनीतिक अभियानों और सक्रियता हेतु एक शक्तिशाली उपकरण बन गया है, जिससे व्यक्तियों एवं समूहों के साथ समर्थकों को संगठित करने और लामबंद करने का एक अच्छा माध्यम बनता जा रहा है।

व्यापार वृद्धि: सोशल मीडिया भारतीय व्यवसायों में अपने उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता पूर्ण स्थिति को बढ़ावा देने, ग्राहकों से जुड़ने और नए बाजारों तक पहुंचने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभरा है।

शिक्षा और ज्ञान साझा करना: सोशल मीडिया ने भारतीयों के लिए शिक्षा और ज्ञान तक पहुंच को आसान बना दिया है। कई शैक्षणिक संस्थान और विशेषज्ञ अब व्यापक दर्शकों के साथ अपने ज्ञान और अंतर्दृष्टि को साझा करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग भी दिन-प्रतिदिन कर रहे हैं।

मनोरंजन: सोशल मीडिया ने भारत में मनोरंजन उद्योग को भी बिल्कुल बदल कर रख दिया है, जिससे सोशल मीडिया प्रभावितों और सामग्री निर्माताओं की एक नई नस्ल को जन्म मिला है। समाज में यदि कोई ग़लत विचार किसी मंच से प्रसारित किया गया होता है तो उस पर तुरंत विरोध की स्थिति सोशल मीडिया के द्वारा जनहित में शेयर होने लगती है।

मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ: सोशल मीडिया को भारत में मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभावों से भी जोड़कर देखा जा रहा है, जैसे कि अवसाद, चिंता और लत आदि। कई भारतीय अब अपने मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया के संभावित खतरों के बारे में अधिक जागरूक हो गये हैं।

गोपनीयता संबंधी चिंताएं: सोशल मीडिया ने भारत में गोपनीयता और डेटा सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई है। बहुत से भारतीय अब इस बारे में अधिक जागरूक हैं कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म द्वारा, उनकी व्यक्तिगत जानकारी का उपयोग कैसे किया जा रहा है।

गलत सूचना: सोशल मीडिया ने भारत में फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं के प्रसार को बढ़ावा देने के साथ-साथ महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर भ्रम और ध्रुवीकरण अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता को भी बढ़ावा दिया है। अत: बहुत से भारतीय अब सोशल मीडिया पर साझा करने से पहले जानकारी की तथ्यपरक जांच और सत्यापन की आवश्यकता के बारे में अधिक जागरूक हो गये हैं।
भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक उत्पीड़न: सोशल मीडिया ने भारत में डराने-धमकाने और उत्पीड़न के नए रूपों को जन्म दिया है, जिसमें कई उपयोगकर्ता ऑनलाइन दुर्व्यवहार और ट्रोलिंग जैसी स्थिति को अनुभव कर रहे हैं। बहुत से भारतीय अब अधिक सुरक्षित और अधिक सम्मानजनक ऑनलाइन वातावरण बनाने की आवश्यकता के बारे में अधिक जागरूक रहने लगे हैं।
उदाहरण -रितु कोहली का मामला सबसे पहला साइबर बुलीइंग का मामला था, जिसे भारत में रिपोर्ट किया गया था । रितु कोहली नाम की एक लड़की ने 2001 में शिकायत दर्ज की थी कि कोई अनजान व्यक्ति सोशल मीडिया में उसकी पहचान का इस्तेमाल कर रहा है । उसे जानबूझकर अलग-अलग नंबरों से फोन आ रहे हैं और उसे विदेशों से भी कॉल आ रहे हैं ।

सोशल मीडिया और प्रभावित मानव जीवन के सभी बेहतरीन समाधान हेतु भविष्य में उपयोगी दिशा-निर्देश-

सोशल मीडिया आधुनिक दुनिया में मानव जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है। वर्तमान में सोशल मीडिया के मानव जीवन पर प्रभाव सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह से देखने-सुनने को मिलते हैं। जैसे वर्तमान में हमारे समक्ष समाज में हमारे आस-पास ही कुछ-कुछ अन्तर देखने-सुनने को दैनिक जीवन में भी मिलते रहते है। जैसे-

सकारात्मक प्रभाव:

बढ़ी हुई कनेक्टिविटी: सोशल मीडिया ने दुनिया भर के लोगों को दूरी और समय की बाधाओं को तोड़ते हुए तुरंत एक-दूसरे से जुड़ने और संवाद करने में सरलतम व सहजता पूर्ण सक्षमता प्रदान की है। उदाहरण के लिए, लोग अब विभिन्न देशों में रहने वाले अपने मित्रों और परिवार के सदस्यों से आसानी से WhatsApp parबात करते रहते हैं; अर्थात बिना अतिरिक्त शुल्क दिए से दूसरे देशों में रह रहे अपने संबंधियों से जुड़ सकते हैं।

व्यापार विकास: सोशल मीडिया व्यवसायिक सफलता के लिए अपने ब्रांड को बढ़ावा देने, ग्राहकों से जुड़ने और नए बाजारों तक पहुंचने का एक शक्तिशाली साधन बन गया है। उदाहरण के लिए, व्यवसाय अब सोशल मीडिया विज्ञापन के माध्यम से अपने आदर्श ग्राहकों को आसानी से लक्षित कर लाभान्वित हो सकते हैं।

सामाजिक प्रभाव: सोशल मीडिया का सामाजिक मानदंडों, प्रवृत्तियों और व्यवहारों पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। यह प्रभावित तरीके जैसे लोग कैसे कपड़े पहनते हैं, कैसे कार्य करते हैं और एक दूसरे के साथ कैसे बातचीत करते हैं। उदाहरण के लिए, सोशल मीडिया प्रभावकारी फैशन और सौंदर्य के लिए एक प्रमुख ट्रेंडसेटर बनता जा रहा है।

नकारात्मक प्रभाव:

मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ: सोशल मीडिया को मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभावों से भी जोड़ा गया है, जैसे अवसाद, चिंता और फोन पर अधिक पकड़ अर्थात लत। उदाहरण के लिए, सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से सामाजिक तुलना और नकारात्मक आत्म-छवि के जैसी अवस्था की अधिकता को जन्म हो सकता है।

दुष्प्रचार: सोशल मीडिया ने नकली समाचार और दुष्प्रचार फैलाने में मदद की है, जिससे महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर भ्रम और ध्रुवीकरण की स्थिति उत्पन्न होने लगी है। जीवन्त उदाहरण - सोशल मीडिया का उपयोग COVID-19 महामारी के बारे में गलत सूचनाओं को फैलाने के लिए किया जाना।

साइबर बुलिंग: सोशल मीडिया पर धमकाने और उत्पीड़न के नए रूप तैयार किए गए हैं, जिसमें कई उपयोगकर्ता ऑनलाइन दुर्व्यवहार और ट्रोलिंग का अनुभव कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, सोशल मीडिया का इस्तेमाल अभद्र भाषा और नस्लवाद फैलाने के लिए भी किया गया है।

सर्वोत्तम समाधानों के लिए भविष्यवादी दिशानिर्देश:

- **सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को उपयोगकर्ता की गोपनीयता और डेटा की सुरक्षा हेतु मजबूत नीतियां लागू करनी चाहिए।**
- **सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को उन तकनीकों में निवेश करना चाहिए जो नकली समाचारों और गलत सूचनाओं के प्रसार का पता लगा सकें और उन पर अंकुश लगाने में सफल हो सकें।**
- **सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को उपयोगकर्ताओं को सोशल मीडिया पर बिताए जाने वाले अपने समय का प्रबंधन करने और व्यसन के जोखिम को कम करने के लिए बेहतर उपकरण प्रदान करने चाहिए।**
- **साइबरबुलिंग और ऑनलाइन दुरुपयोग को रोकने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।**

- उपयोगकर्ताओं को अपने सोशल मीडिया के उपयोग के लिए अधिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से जुड़े संभावित जोखिमों से सदैव अवगत रहना चाहिए।

- युवाओं को सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों के बारे में सिखाने के लिए शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम विकसित किए जाने चाहिए। इसका उपयोग सतर्कतापूर्ण तरीके से कैसे किया जाए, इस पर भी ध्यान रखना महत्त्वपूर्ण है।।

कुल मिलाकर सोशल मीडिया आज मानव जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है। जबकि इसके कई लाभ हैं, इसके संभावित जोखिम भी हैं जिन्हें संबोधित करने की आवश्यकता है। ऊपर उल्लिखित दिशा-निर्देशों को लागू करके, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित और अधिक सकारात्मक ऑनलाइन वातावरण बनाने के लिए एक साथ मिलकर दोनों को ही प्राथमिकता देते हुए इस ओर कार्य करने में अग्रणी भूमिका अभिनीत करनी होगी, तभी नकारात्मक दुष्परिणामों से छुटकारा पाने में सफल हो सकते हैं ।

सोशल मीडिया की मानव जीवन में भूमिका के बारे में कुछ महत्त्वपूर्ण तथ्य और आंकड़े इस प्रकार हैं:

- स्टेटिस्टा के अनुसार, भारत में 2021 में 376 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ताओं के साथ, दुनिया में सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं की दूसरी सबसे बड़ी संख्या है।

- फेसबुक भारत में सबसे लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है, जिसके 2021 में 310 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ता हैं।

- व्हाट्सएप, फेसबुक के स्वामित्व वाला एक मैसेजिंग ऐप, भारत में सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग ऐप है, जिसके 2021 में 530 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ता हैं।

- इंस्टाग्राम ने हाल के वर्षों में भारत में 2021 में 180 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण वृद्धि देखी है।

- सोशल मीडिया भारत में राजनीतिक अभियानों और सक्रियता के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण बन गया है। कई राजनीतिक दल और कार्यकर्ता समर्थकों से जुड़ने, जागरूकता फैलाने और जनमत को प्रभावित करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं।

- सोशल मीडिया भारत में समाचार और सूचना का एक प्रमुख स्रोत बन गया है, बहुत से लोग अपने समाचार प्राप्त करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की ओर रुख कर रहे हैं।

- सोशल मीडिया का भारतीय मनोरंजन उद्योग पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है, कई मशहूर हस्तियां और प्रभावशाली लोग प्रशंसकों से जुड़ने और अपने काम को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं।

- सोशल मीडिया ने भारत में सामाजिक परिवर्तन आंदोलनों, जैसे #MeToo आंदोलन और किसानों के विरोध में भी भूमिका निभाई है।

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और संवर्धित वास्तविकता जैसी नई तकनीकों के विकास ने भारत में सोशल मीडिया का उपयोग करने के नए और नए तरीकों को जन्म दिया है।

- भारत सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 की शुरुआत के साथ सोशल मीडिया को विनियमित करने के लिए कदम उठाए हैं, जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन सामग्री को विनियमित करना चाहता है।

अंत में, राजनीति, मनोरंजन, समाचार और सामाजिक परिवर्तन आंदोलनों पर महत्वपूर्ण प्रभाव के साथ सोशल मीडिया भारत में मानव जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है,भारत में सोशल मीडिया के अच्छे और बुरे बदलाव,

अच्छे बदलाव:

- सोशल मीडिया ने लोगों को अपनी राय देने और महत्वपूर्ण सामाजिक और राजनीतिक चर्चाओं में भाग लेने के लिए एक मंच प्रदान किया है।

- सोशल मीडिया ने लोगों के लिए एक-दूसरे से जुड़ना आसान बना दिया है, खासकर उनके लिए जो भौगोलिक रूप से दूर हैं।

- सोशल मीडिया ने लोगों को अपनी प्रतिभा और कौशल दिखाने के अवसर प्रदान किए हैं, जिससे सोशल मीडिया प्रभावितों और सामग्री निर्माताओं का उदय हुआ है।

- सोशल मीडिया ने छोटे व्यवसायों को व्यापक दर्शकों तक पहुंचने और ग्राहकों से जुड़ने की अनुमति दी है।

- सोशल मीडिया ने विशेष रूप से संकट या आपातकाल के दौरान महत्वपूर्ण सूचनाओं और समाचारों के प्रसार की सुविधा प्रदान की है।

- सोशल मीडिया ने सोशल मीडिया प्रबंधन और डिजिटल मार्केटिंग जैसे क्षेत्रों में नई नौकरियों और करियर के अवसरों का सृजन किया है।

ख़राब बदलाव:

- सोशल मीडिया को चिंता, अवसाद और लत जैसी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से जोड़ा गया है।
- सोशल मीडिया का उपयोग नकली समाचार और गलत सूचना फैलाने के लिए किया गया है, जिससे जनमत और व्यवहार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- सोशल मीडिया ने विशेष रूप से महिलाओं और हाशिए के समूहों के प्रति साइबर धमकी और उत्पीड़न की सुविधा प्रदान की है।
- सोशल मीडिया के कारण ऑनलाइन अभद्र भाषा और असहिष्णुता में वृद्धि हुई है।
- सोशल मीडिया का उपयोग अफवाहें और षड्यंत्र के सिद्धांत फैलाने के लिए किया गया है, जिससे सामाजिक अशांति और हिंसा हुई है।
- सोशल मीडिया का उपयोग राजनीतिक हेरफेर और प्रचार के लिए एक उपकरण के रूप में किया गया है, जिससे चुनाव में हस्तक्षेप और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के बारे में चिंता पैदा हो गई है।

अंत में, सोशल मीडिया ने भारतीय समाज में सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के बदलाव लाए हैं। जबकि इसने कई लाभ प्रदान किए हैं, इसके संभावित जोखिमों से अवगत होना और जिम्मेदारी से इसका उपयोग करना महत्वपूर्ण है। सोशल मीडिया का जिम्मेदार और सूचित तरीके से उपयोग करके, व्यक्ति और समुदाय इसके नकारात्मक प्रभावों को कम करते हुए इसके लाभों को अधिकतम कर सकते हैं।

हमारे भारतीय समाज में वर्तमान मानव जीवन मूल्य, किस प्रकार सोशल मीडिया से प्रभान्वित हो रहा है। वर्तमान में वैश्विक स्तर सोशल मीडिया के प्रभाव की नई रिपोर्ट्स को विस्तार पूर्वक समझने का प्रयास करते हैं-

भारतीय समाज में वर्तमान मानव जीवन मूल्यों पर सोशल मीडिया के प्रभाव विश्व स्तर पर विभिन्न रिपोर्ट और अध्ययन किए गए जिन रिपोर्टों के कुछ प्रमुख निष्कर्ष इस प्रकार हैं:

- सेंटर फॉर सोशल रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार, सोशल मीडिया ने अनुचित सामग्री और ऑनलाइन उत्पीड़न के प्रति बच्चों और युवाओं के संपर्क में उल्लेखनीय वृद्धि की है।
- इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस के एक अध्ययन में पाया गया कि सोशल मीडिया ने राजनीतिक ध्रुवीकरण को बढ़ाया है और भारत में राजनीतिक बहस की गुणवत्ता को कम किया है।
- इप्सोस द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि भारतीय प्रतिदिन औसतन 3.5 घंटे सोशल मीडिया पर बिताते हैं। आज समाज में सोशल मीडिया उनके लिए समाचार और सूचना का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत बन गया है।

- डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट में पाया गया कि सोशल मीडिया के कारण भारत में साइबर अपराध और ऑनलाइन धोखाधड़ी में वृद्धि हुई है।

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेस (NIMHANS) के एक अध्ययन में पाया गया कि भारत में सोशल मीडिया की लत बढ़ती जा रही है, खासकर युवाओं में।

- प्यू रिसर्च सेंटर की एक रिपोर्ट में पाया गया कि सोशल मीडिया ने भारत में गलत सूचना और प्रचार प्रसार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है, खासकर चुनावों के दौरान तो यह और अधिक विकसित हो जाती है।

- वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि सोशल मीडिया का भारत में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है, सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के बीच उच्च स्तर की चिंता, अवसाद और तनाव की सूचना ज्यादातर देखने को मिली है।

- इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च के एक अध्ययन में पाया गया कि सोशल मीडिया ने भारत में अभद्र भाषा, साइबरबुलिंग और ऑनलाइन उत्पीड़न में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

- डिजिटल एम्पावरमेंट फाउंडेशन की एक रिपोर्ट में पाया गया कि सोशल मीडिया ने भारत में सामाजिक उद्यमिता और डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने में मदद की है।

- डिजिटल इंडिया फाउंडेशन के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि सोशल मीडिया ने भारत में सामाजिक और राजनीतिक सक्रियता को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है, कई युवा सोशल मीडिया का उपयोग विभिन्न कारणों के लिए समर्थन जुटाने के लिए करते हैं।

अत: सोशल मीडिया का सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभावों के साथ भारतीय समाज में वर्तमान मानव जीवन मूल्यों पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ता नजर आ रहा है। जबकि इसने कई लाभ के मार्ग भी प्रशस्त किए हैं, परन्तु फिर भी सतर्कता बरतने की जरूरत है क्योंकि इसके संभावित जोखिमों से अवगत होना और जिम्मेदारी से इसका उपयोग करना अति महत्त्वपूर्ण है। सोशल मीडिया का जिम्मेदार और समुचित तरीके से उपयोग करके, व्यक्ति और समुदाय इसके नकारात्मक प्रभावों को कम करते हुए इसके लाभों का अधिकतम उपयोग कर सकते हैं।

वर्तमान सरकार नकारात्मक समस्याओं का समाधान कर रही है - सोशल मीडिया के प्रभाव के ऐसे कौन से विशिष्ट तत्त्व, जो भारत में हानिकारक हैं-

यहां सोशल मीडिया के प्रभाव के कुछ विशिष्ट तत्त्व हैं जिन पर सरकार ध्यान केंद्रित कर रही है:

फेक न्यूज और गलत सूचना: सरकार ने विशेष रूप से संकट या आपातकाल के दौरान सोशल मीडिया पर फेक न्यूज और गलत सूचना के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाए हैं। 2018 में, सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए दिशानिर्देशों का एक सेट जारी किया, जिसमें उन्हें फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं के प्रसार को रोकने के उपाय करने की आवश्यकता थी।

साइबरबुलिंग और ऑनलाइन उत्पीड़न: सरकार ने साइबरबुलिंग और ऑनलाइन उत्पीड़न के मुद्दे को संबोधित करने के लिए भी कदम उठाए हैं, विशेष रूप से महिलाओं और हाशिए के समूहों के प्रति। 2018 में, सरकार ने आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम पारित किया, जिसने साइबरबुलिंग को दंडनीय अपराध बना दिया।

ऑनलाइन घृणास्पद भाषण और असहिष्णुता: सरकार ऑनलाइन घृणास्पद भाषण और असहिष्णुता से निपटने के लिए कदम भी उठा रही है, जो भारत में दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। 2020 में, सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए नए नियम पेश किए, जिससे उन्हें अभद्र भाषा, हिंसा या भेदभाव को बढ़ावा देने वाली सामग्री को हटाने की आवश्यकता हुई।

डेटा गोपनीयता और सुरक्षा: सरकार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डेटा गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2019 में, सरकार ने पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल पेश किया, जिसका उद्देश्य भारतीय नागरिकों की गोपनीयता की रक्षा करना और सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा व्यक्तिगत डेटा के संग्रह और उपयोग को विनियमित करना है।

सोशल मीडिया की लत: भारत में सोशल मीडिया की लत की बढ़ती समस्या को दूर करने के लिए सरकार भी कदम उठा रही है। 2019 में, सरकार द्वारा अत्यधिक सोशल मीडिया उपयोग के नकारात्मक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए "डिजिटल डिटॉक्स" नामक एक अभियान भी शुरू किया गया है।

अंत में, भारत सरकार भारत में सोशल मीडिया के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। अपितु अभी और भी काम किया जाना बाकी है, ये प्रयास सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग को सुनिश्चित करने और भारतीय नागरिकों की भलाई की रक्षा करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम हैं।

आने वाली पीढ़ी और समाज में हर जगह सोशल मीडिया के अत्यधिक परिवर्तन और चुनौती पूर्ण प्रभावित समाज में मनुष्य जीवन में व्याप्त परिवर्तन पर निष्कर्ष -

अंत में, सोशल मीडिया ने आने वाली पीढ़ियों और समग्र रूप से समाज पर एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण प्रभाव डाला है। जबकि सोशल मीडिया ने कई लाभ प्रदान किए हैं, जैसे कि बढ़ी हुई कनेक्टिविटी और सूचना तक पहुंच, इसने कई तरह की चुनौतियां और नकारात्मक प्रभाव भी लाए हैं, जैसे कि गलत सूचना का प्रसार, साइबरबुलिंग और लत।

व्यक्तियों, विशेष रूप से युवा पीढ़ी के लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि वे इन चुनौतियों से अवगत हों और सोशल मीडिया का उपयोग एक जिम्मेदार और सूचित तरीके से करें। इसमें संभावित जोखिमों से अवगत होना शामिल है, जैसे अनुपयुक्त सामग्री के संपर्क में आना और साइबर धमकी, और स्वयं को ऑनलाइन सुरक्षित करने के लिए कदम उठाना।

इसके अलावा, माता-पिता, शिक्षकों और नीति निर्माताओं की यह जिम्मेदारी बनती है कि युवा पीढ़ी को सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग पर उचित मार्गदर्शन और शिक्षाप्रद मार्ग आने वाली पीढ़ी के विकास हेतु प्रशस्त हो सके । इसमें डिजिटल साक्षरता और साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ व्यक्तियों को ऑनलाइन नुकसान से बचाने के लिए भी नीतियां और नियम बनाना शामिल है।

जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, पूरे समाज के लिए सोशल मीडिया के महत्त्वपूर्ण प्रभाव को स्वीकार करना और इसके नकारात्मक प्रभावों को कम करते हुए इसके लाभों को अधिकतम करने की दिशा में काम करना और इसके अलावा दूर-दूर तक उपयोगिता सिद्ध उपलब्धता कई जांच करने व अधिक विकसित करने की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। इस उद्देश्य पूर्ति के लिए एक सुरक्षित और जिम्मेदार ऑनलाइन वातावरण बनाने के लिए व्यक्तियों, सोशल मीडिया कंपनियों और सरकारों सहित सभी हितधारकों के सहयोगात्मक प्रयास करने वाले आचार-विचार, रहन-सहन, खान-पान और जीवनशैली में सतर्कता पूर्ण परिवर्तन में एक उचित व्यवस्था की आवश्यकता है।

सन्दर्भ सूची-

- इंडियन मीडिया इन ए ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड: माया रंगनाथन ,उषा एम. आर.
- क्वीर सेक्सुलिटीज़ इन इंडियन कल्चर: क्रिटिकल रिस्पांस - दीपक गिरी
- पॉप कल्चर इंडिया! मीडिया आर्ट एंड लाइफ स्टाइल- आशा केस्बेकर
- इंडिया ओन द वेस्टर्न स्क्रीन: इमेजिंग ए कंट्री इन फिल्म, टीवी ... - आनंद मित्रा
- पॉजिटिव इफैक्ट्स आफ सोशल मीडिया: http://www.teenshield.com/blog/2016/06/28
- स्माटफोन यूजर्स अराउंड द वर्ल्ड- http://www.go-gulf.com/blog/smartphone
- इफेक्ट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ऑन चिल्ड्रन इंडियन पेडियाट्रिक्स- एम राय, के.रामजत(2010)
- कंप्यूटर प्रयोग और हिंदी - भावना प्रकाशन ,डॉक्टर अमर सिंह वधान (2003)
- भारतीय समाज पर इंटरनेट का प्रभाव – अभिषेक मिश्र, वॉल्यूम -2 , द जर्नलिस्ट रिसर्च जनरल, इलाहाबाद (2013)
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रतिभा प्रतिष्ठान 1661-पी.के. आर्य (2006) नई दिल्ली
- मीडिया समग्र (भाग 3) ज्ञान-क्रांति और साइबर संस्कृति: दिल्ली स्वराज प्रकाशन (2013) ज. चतुर्वेदी
- सोशल मीडिया नेटवर्किंग एंड कॉन्सेप्ट्स ओफ डाइमेंशंस : कनिष्का पब्लिशर्स डिसटीब्यूटर्स, पी.माथुर (2012) न्यू दिल्ली